महिलाएं भी लें वित्तीय फैसलों में भागीदारी

हर्षेंदु बिंदल, प्रेसीडेंट, फ्रैंकलिन टेंपलटन इन्वेस्टमेंट

स्मार्टफोन और इंटरनेट के बढ़ते चलन से ऑनलाइन बैंकिंग और ई-कॉमर्स आम बात हो गई है। हाल ही में सरकार ने पेमेंट बैंक के लाइसेंस भी जारी किए हैं। इसका मकसद आम लोगों तक बैंकिंग सुविधाएं पहुंचाना और उन्हें इंश्योरेंस, म्यूचुअल फंड, रिटायरमेंट प्रोडक्ट की जानकारी देना है। लेकिन, जो लोग यह सब जानते हैं उनके घरों में भी महिलाओं को वित्तीय मामले समझने में दिक्कत आती है, जबकि महिलाएं वित्तीय फैसलों में हिस्सा लेंगी तो इसके दूरगामी असर होंगे।

यह कोई छुपी हुई बात नहीं है कि महिलाएं पुरूषों से ज्यादा मल्टी टास्किंग होती हैं। कामकाजी महिलाएं इसका सबसे अच्छा उदाहरण है। महिलाएं घर और दफ्तर, दोनों जिम्मेदारी अच्छी तरह से संभालती हैं, जबकि हम केवल ऑफिस का काम ठीक से करने में पसीना-पसीना हो जाते हैं। कई महिलाओं ने बड़ी कंपनियों में झंडे गाड़े हैं। जब जरूरत पड़ी तो देश भी चलाया है। लेकिन, अब भी महिलाओं का सशक्तिकरण करके उन्हें मुख्यधारा में लाने के लिए बहुत कुछ किया जाना बाकी है। इस दिशा में दो बड़ी चुनौतियां हैं, लड़कियों को शिक्षित करना और उनका वित्तीय सशक्तिकरण। सरकार को दूसरी चुनौती की तरफ ध्यान देना चाहिए, जबकि शिक्षित करने की जिम्मेदारी कॉर्पोरेट सिटिजन को उठानी चाहिए।

फाइनेंश सेक्टर में 20 साल रहने के बाद मुझे लगता है कि महिलाओं को वित्तीय रूप से मजबूत करने से समाज को बहुत फायदा होगा। अधिकतर परिवार के वित्तीय फैसले पुरुष ही करते हैं। चाहे वो पिता हो या पति। महिलाएं सिर्फ दस्तावेजों पर हस्ताक्षर करती हैं।

इसमें विश्वास की बात भी होती हैं। महिलाएं कार या मकान खरीदने के फैसलें में पीछे क्यों रहती हैं। पर्सनल फाइनेंस से जुड़े फैसलों में भी यही होता है। क्या इसमें बदलाव लाया जा सकता है? क्यों नहीं। बिल्कुल बदलाव लाया जा सकता है। इसके लिए हमें निवेश और फाइनेंशियल प्लानिंग की बुनियादी बातें समझनी होंगी।

निवेश की शुरुआत जल्द करें

याद रखें आप जितना जल्द निवेश की शुरुआत करेंगे उतनी ही जल्द अपना लक्ष्य पा सकेंगे। अपनी रिटायरमेंट की रकम का भी इंतजाम कर पाएंगे।

नियमों की जानकारी रखें

आप इनकम टैक्स रिटर्न भरने में भी सहयोग कर सकती हैं। रिटर्न की प्रक्रिया समझने में कोई बुराई नहीं है। समय समय पर ऐसे प्रोडक्ट्स और नियमों की जानकारी रखें जो आपके निवेश को प्रभावित करते हैं। जैसे कि रिजर्व बैंक की ओर से नीतिगत ब्याज दरें बढ़ाना या घटाना। यह सब करने के लिए आपको शुरुआत में कुछ कठिनाई होगी, लेकिन आप जैसे-जैसे इसकी गहराई में उतरते जाएंगे, आपको अच्छा लगने लगेगा।

धीरे-धीरे शुरुआत करें

- आप अपनी बैंक ब्रांच जाकर चेक और कैश डिपॉजिट करवा सकती हैं
- अपनी पासबुक अपडेट करवा सकती हैं
- घर के बिलों का ऑनलाइन भुगतान कर सकती हैं
- ट्रेन, बस के टिकट ऑनलाइन बुक करवा सकती हैं
- अपने खर्च का पूरा हिसाब रख सकती हैं

इंश्योरेंस के बारे में जाने

जैसे-जैसे आप आगे बढ़ेंगी आप इंश्योरेंस के बारे में जानें। अपने परिवार के लाइफ और हेल्थ इंश्योरेंस करवाएं। इसके अलावा मकान, दुकान भी दूसरे खतरों से सुरक्षित रहें, इसके लिए इंश्योरेंस करवाएं।

वित्तीय सलाहकार की सहायता लें

वित्तीय सलाहकार की सहायता लें। निवेश से संबंधित सवाल करें। समझें कि महंगाई कैसे आपके निवेश पर असर डालती है। म्यूचुअल फंड के रिटर्न कैसे महंगाई के मुकाबले ज्यादा होते हैं। समय-समय पर पोर्टफोलियो और लक्ष्य ट्रैक करना सीखें।